सेवा में,

प्राचार्य

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

रानीखेत

विषयः बी0ए0 6 सेमेस्टर भूगोल के छात्र/छात्राओं के शैक्षिक भ्रमण/क्षेत्रीय अध्ययन के समबन्ध में।

महोदय

निवेदन इस प्रकार है कि भूगोल के **बी0ए0 6 सेमेस्टर** सेमेस्टर के छात्र/छात्राओं का शैक्षिक **भ्रमण/क्षेत्रीय** अध्ययन हेतु डा0 **बी0 बी0 भट्ट** के निर्देशन में दिनांक 17/08/2022 को **बैजनाथ (बागेश्वर)** जाना निश्चित हुआ है। इसमें कुल 13 छात्र/छात्राऐं सम्मिलित हैं।

अतः महोदय से निवेदन है कि उक्त प्रयोजन हेतु अनुमति एवं सम्बन्धित शिक्षक को नियमानुसार यात्रा व दैनिक भत्ता देने की अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

16/08/22

भवदीय

प्रभारी 16/08/2022

(डा0 बी0 बी0 भट्ट)
भूगोल विभाग
राज0 स्ना0 महा0 रानीखेत

B.A. 6th Sem.

शैक्षिक भ्रमण (2022)

कौसानी - बैजनाथ (बागेश्वर)

B.A. 6th Sem.

APPU DATE.....
PAGE.....

दि० - 17/08/2022

नाम	हस्ताक्षर
राश्मि बोरा	Rashmi
मनोज सिंह	Manoj Singh
सुनीता बिष्ट	Sunita
पूजा शाह	Pooja Shah
भावना जोशी	Bhawana Joshi
नेहा मेहरा	Neha Mehra
रेनू मेहरा	Renu Mehra
मीनाक्षी पाण्डे	Meenakshi
तनुजा परिहार	Tanuja Pariyar
कविता अस्वाल	Kavita Aswal
कविता टनवाल	Kavita Tanwal
दिव्या रावत	Rawat

Bhatt 17-08-22

(Dr. B.B. Bhatt)

भूगोल विभाग

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

रानीखेत

क्षैत्रिय भ्रमण

2022

कौसानी - गारुड़ - बैजनाथ (बागेश्वर)

नाम – तनुजा परिहार
कक्षा – बी०ए० 6th सेमेस्टर
अनुक्रमांक – 19016023033 8
महाविद्यालय – राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानीखे
पिता का नाम – श्री गोविन्द सिंह परिहार

प्रस्तावना :-

क्षेत्रीय क्रियाकलाप तथा पर्यटन सदैव से ही भूगोल विषय का अभिन्न अंग रहे है। क्योंकि भूगोल विषय एक ऐसा विषय है। जिसमें विश्व का ही नहीं वरन सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के जैव तथा अजैव तत्वो का अध्ययन किया जाता है। इन सभी तत्वो को केवल पढने मात्र से नहीं जाना जा सकता है। भ्रमण से विषय या स्थान के बारे मे वास्तविक जानकारी मिलती है। इसलिए परिभ्रमण की प्रक्रिया का भूगोल मे विशेष महत्व है। जिन विषयो या जगहो के बारे मे पढने से सम्पूर्ण जानकारी नही प्राप्त होती है, भ्रमण से पास से देखने पर स्पष्ट जानकारी प्राप्त हो जाती है। अतः भूगोल बिन्दुओ का वस्तु स्थिति की यथार्त एंव सम्यक जानकारी प्राप्त करने हेतु यात्रा अत्यन्त आवश्यक है।

भूगोल के विद्यार्थियो के लिए क्षेत्रीय अध्यन का मुख्य उद्देश्य भ्रमण स्थलो के प्राकृतिक भूदृश्यो के मध्य सहसम्बंध स्थापन होना चाहिए क्षेत्रीय क्रियाकलापो एवं विषमताओ का समुचित एंव यथार्थ चित्रण आवश्यक होता है। भ्रमण क्षेत्र का चुनाव क्षेत्रीय अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य होता है। मध्य हिमालयी क्षेत्र मे अध्ययनरत होने के कारण नदि द्वारा निर्मित (युवावस्था) स्थालाकृतियो के विपरीत भूमिगत जल द्वारा निर्मित स्थालाकृतियो (कार्स्ट स्थलाकृति) को अध्ययन हेतु चुना गया, इसके लिए पिथौड़ागढ जनपद मे स्थित गंगोलिहाट कस्बे से 16 की॰मी॰की दूरी पर स्थित पाताल भुवनेश्वर का चुनाव किया गया।

Date..........

Expt. No. .... Page No. ....

बैजनाथ झील

बैजनाथ स्थित है , 29° 55 30 , 79° 37 पूर्व
29°92N , 79:62°E / 29.92 : 7962E 22

शहर के उत्तर पश्चिम में 20 किमी उत्तराखण्ड में बागेश्वर जिले मे इसकी औसत ऊँचाई 1,130 मीटर फीट है , बैजनाथ कुँमाऊ हिमालय की कत्यूर 3.707 घाटी । मे गोमती नदी के बॉए किनारे पर स्थित है , आस - पास के गाँवो मे डांगोली , गगरिगोल , हाट , टीट , बाजार , पुराश , मोघर आदि शामिल है ।

2007 - 2008 मे मंदिर परिषद के आस - पास एक कृत्रिम झील की घोषणा की गई थी यह 14 जनवरी 2016 को उत्तराखण्ड के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री हरीश रावत द्वारा किया गया , और इसका उद्घाटन किया गया , झील गोल्डन महासीर मछलियों से भरी हुई है । हालांकि इस स्थल पर मछली पकड़ना पूरी तरह प्रतिबंधित है ।

Date .....

Expt. No. .....

Page No. .....

कौसानी

कौसानी उत्तराखण्ड राज्य के अल्मोड़ा जिले से 53 Km दूरी पर स्थित है, यह भारत का खुबसूरत पर्वतीय पर्यटक स्थल है, यह स्थान हिमालय की सुन्दरता के दर्शन कराता है, पिंगनाथ चोटी पर बसा है, और साथ ही साथ इस स्थान से बर्फ से ढकी नंदा देवी पर्वत की चोटी का नज़ारा भी अत्यधिक मनमोहक प्रतीत होता है,

राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने कौसानी (जो की कौसी नदी और गोमती नदी पर स्थित है जिसे "भारत का स्विजरलैण्ड भी कहा जाता है," कौसानी समुद्र तल से लगभग 6075 फीट की ऊँचाई पर स्थित है, इस स्थान पर एक चाय का बागान भी है जो की कौसानी से लगभग 06 किमी० की दूरी पर बैजनाथ की तरफ है,

कौसानी का इतिहास —:

कौसानी का इतिहास बड़ा ही रोचक है, बागेश्वर स्थित पर्यटन स्थल कौसानी के बारे मे यह कहा जाता है कि इस स्थान पर कौशिक मुनि ने कठोर तप किया था, इसलिए इस स्थान का नाम कौसानी रखा गया, कौसानी क्षेत्र मे दो प्रमुख ऐतिहासिक घटनाये हुई जो कि वर्तमान समय में भी याद करी जाती है, सर्वप्रथम प्रसिद्ध भारतीय सुमित्रानन्दन पंत जो कि सन 1900 मे कौसानी मे पैदा

Teacher's Signature : .....